वार्षिक प्रगति आख्या

2023—24

विश्वास संस्थान

भगवन्त कौर कालोनी, कैनाल रोड, रायबरेली उ0प्र0— 229001

विश्वास संस्थान, रायबरेली उ0प्र0

वार्षिक प्रगति आख्या वर्ष 2023–24

प्रस्तावना – विश्वास संस्थान की स्थापना वर्ष 1996–97 में जनपद रायबरेली के ग्राम जनेवा कटरा में की गयी। संस्थान का पंजीकरण वर्ष 1998–99 में कराया गया। संस्थान का प्रशासनिक कार्यालय जनपद मुख्यालय रायबरेली में स्थापित है। संस्था का संचालन कुशल सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। संस्था का मुख्य उद्देश्य वंचितों और गरीबों की सामाजिक व आर्थिक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करना है। वर्तमान में संस्था द्वारा संचालित कुछ विकासात्मक गतिविधियां जैसे– स्वास्थ्य एवं पोषण, क्षयरोग, माडल आंगनवाडी निर्माण व नवीनीकरण, महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम, रोजगारपरक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, औपचारिक व अनौपचारिक शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम, क्षमता वृद्विं प्रशिक्षण, पेयजल, हस्तशिल्प, सिलाई कढाई, कृषि आधारित प्रशिक्षण, ग्रामीण विकास कार्यक्रम व पर्यावरण संरक्षण आदि हैं। संस्था ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में सभी आयु वर्ग के लोगों को लाभान्वित कर रहा है। संस्था को सरकारी, गैर सरकारी व सोसाइटीज के साथ कार्य करने का अच्छा अनुभव है। संस्थान ने अपनी लगन, मेहनत एवं कर्मठता से जनपद एवं अन्य जिलों में ख्याति प्राप्त की।

संस्थान सामाजिक वित्तीय सहयोग के साथ ही साथ सरकारी, गैर सरकारी अनुदान व सी0एस0आर0 के माध्यम से उत्तर प्रदेश में गरीब, पिछडे व वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है।

इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की चुनौतियों का समाधान करना और स्थानीय समुदायों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई पहल की गईं। छात्रों और अभिभावकों को प्रेरित करने के लिए स्कूल ड्रेस और शैक्षिक किट प्रदान की। जिससे उन्हें शिक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त, समुदाय को शिक्षा के महत्व और स्कूल छोड़ने की दर से जुड़े जोखिमों के बारे में शिक्षित करने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार विधियों के माध्यम से जागरूकता सृजन गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

लाभार्थियों के दरवाजे पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए चिकित्सा जांच, परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शैक्षिक गतिविधियों के लिए अनुकूल माहौल बनाने, परामर्श और प्रेरणा प्रदान करने के लिए ग्रामीणों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई, जिससे लक्षित समुदायों के बच्चों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित हुआ।

इसके अतिरिक्त, व्यक्तियों को स्थायी आजीविका के अवसरों के साथ सशक्त बनाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम लकड़ी के शिल्प, ब्यूटीशियन कौशल, सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण और मोबाइल/घरेलू उपकरणों की मरम्मत जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित थे। समुदाय को मूल्यवान कौशल से जोड करके, परियोजना का उद्देश्य उनकी आय–सृजन क्षमताओं और समग्र सामाजिक–आर्थिक कल्याण को बढ़ाना है।

ग्राम समग्र विकास परियोजना का लक्षित लाभार्थियों पर गहरा प्रभाव पड़ा। कार्यक्रम के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सम्बन्धी गतिविधियां आयोजित की गयी। शैक्षिक अवसरों को बढ़ाया, कुपोषण स्तर को कम किया और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान किए। इस परियोजना ने सकारात्मक सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन लाने और समुदाय के समग्र जीवन स्तर को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन पहलों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रकाश व्यवस्था के बुनियादी ढांचे और समग्र सामुदायिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। लाभार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करके और उन्हें परियोजना कार्यान्वयन प्रक्रिया में शामिल करके, विश्वास संस्थान जिला रायबरेली में हजारों व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने में सफल रहा है। इन परियोजनाओं ने न केवल तत्काल लाभ प्रदान किया है बल्कि लक्षित समुदायों में सतत विकास और दीर्घकालिक सकारात्मक बदलाव की नींव भी रखी है।

fo'okl lLFkku% LokLF; d {k= e

समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम– विगत कई वर्षों से बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड, रायबरेली के सहयोग से जनपद के अमावां ब्लाक व शहरी क्षेत्र में समग्र ग्राम विकास परियोजना संचालित है। परियोजनान्तर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, हरित ऊर्जा व कौशल विकास से सम्बन्धित विभिन्न प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहें है। परियोजनान्र्तगत चयनित गांवों में अति गरीब परिवारों की संख्या अत्यधिक है। सुविधाओं से वंचित इन गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार को लेकर जागरूकता नही है। लोगों जागरूक करने व समाज की मुख्यधारा से जोडने के लिए गांवों में स्वास्थ्य शिविर, सिलाई प्रशिक्षण, मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, मातृत्व सुरक्षा के सम्बन्ध में आंगनबाडी व आशा बहुओं के साथ बैठक, किचेन गार्डेन आदि गतिविधियां आयोजित की गयी। इस वर्ष परियोजना में नवाचार के कम में संस्थान द्वारा किशोरी बालिकाओं हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। परियोजना की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 5000 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम – स्वास्थ्य एवं स्वच्छता एक दूसरे के पूरक होतें है अच्छे स्वास्थ्य की परिकल्पना बिना स्वच्छता के प्रयासों से नही की जा सकती प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास को स्वच्छ और साफ रखना उसका कर्तव्य होता है किन्तु जागरूकता के अभाव में बहुत लोग इस विषय में विचार नहीं करते है। जिसका परिणाम गंदगी से संक्रामक रोगों का फैलना शुरू हो जाता है। स्वास्थ को नुकसान होने से शारीरिक विकास बाधित होता है। संस्थान द्वारा लोगों को जागरूक करनें हेतु विगत कई वर्षों से लगा तार प्रय ास किए जा रहें है। इसी क्रम इस वर्ष भी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु जनपद रायबरेली से सेरी, पहाडपुर कासो, कठवारा, चकसुण्डा, रहवां, गुल्लूपुर सहित 9 गांवों का चयन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में ग्राम स्वास्थ्य समिति के साथ बैठकें आयोजित की गयी। बैठकों में समिति सदस्यों की क्षमता वृद्धि की गयी तथा विषय विशेषज्ञ द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रत्येक गांव की 50 किशोरी बालिकाओं की सैनीटरी नैपकिन का वितरण भी किया गया तथा इनके नियमित प्रयोग हेतु जागरूक किया गया। चयनित प्रत्येक गांव में सूचना, शिक्षा व संचार गतिविधियों के माध्यम से लोंगों को जागरूक करने हेतु प्रयास किए गये। संस्थान के इस कार्यक्रम सभी चयनित गांव से 1000 से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, सचिव, अध्यापक, आशा बहू, पंचायत मित्र व अन्य ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता दी।

जल संचयन एवं सुरक्षित पेयजल जागरूकता कार्यक्रम– ग्रामीण समुदाय में वर्षा जल संचयन व पेयजल की संरक्षण पर आधारित प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जनपद रायबरेली के राही ब्लाक के 5 गांवों बेला टेकई, बेनीकामा, बेलाभेला, उत्तरपारा व कुचरिया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत गांवों प्रोजेक्टर के माध्यम में जल संरक्षण की विधियां प्रसारित की गयी तथा लोगों को प्रेरणादायी फिल्म दिखाकर जागरूक किया गया। गांवों के स्कूलों में जल संरक्षण आधारित कार्यक्रमों के आयोजन के साथ ही साथ कठपुतली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गांव के प्रधान, आशाबहू, आंगनबाडी कार्यकत्री, शिक्षक व सभी ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता दी। कार्यक्रम के आयोजन से गांव व आसपास के अन्य गावों के लोगों में जल संरक्षण के विषय में जागरूक हुए।

महिला एवं बाल विकास जागरूकता कार्यक्रम – आधुनिक युग में भी ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को दरकिनार किया जा रहा है उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, क्षमता विकास आदि से वंचित किया जा रहा है। संस्थान विगत कई वर्षों से इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। महिला व बाल विकास देश के विकास हेतु प्रमुख मुद्दा है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संस्थान ने जनपद के अमावां ब्लाक के रसेहता, गढी, हरदासपुर व सरावां कुल 4 गांवों का चयन कार्यक्रम के आयोजन हेतु किया। कार्यक्रम के दौरान चयनित गांव की महिलाओं को दैनिक पोषक आहार, किचेन गार्डेन, बाल स्वास्थ्य आदि का प्रशिक्षण दिया गया। गांव में बच्चों व गर्भवती महिलाओं के पोषण हेतु पोषण किट का वितरण भी किया गया। किचेन गार्डेन की संख्या बढाने के उद्‌देश्य से निःशुल्क पौधों व बीजों का वितरण भी किया गया।

गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता कार्यक्रम – यह कार्यक्रम समदासिनी फाउन्डेशन हॉग कॉग के सहयोग से जरूरतमंदो की सहायता के लिए किया जाता है। समदासिनी फाउन्डेशन प्रत्येक वर्ष छोटी सी रकम जरूरतमंदो के लिए भेजती है। जिससे क्षेत्र में चिन्हित जरूरतों की सहायता में लगाया जाता है। इस वर्ष जनपद के अमावां ब्लाक के ग्राम रसेहता मे गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 10 गरीब व जरूतरमंद महिलाओं को कम्बल वितरण किया गया। इन लाभार्थियों को संस्थान में चल रही अन्य योजनाओं के माध्यम से भी लाभान्वित किया गया। इन महिलाओं को आजीविका कार्यक्रमों में जोडकर इनको समाज की मुख्यधारा से जोडने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। गतवर्ष में इसी तरह की गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं, गभर्वती व धात्री माताओं को संस्थान के माध्यम से पोषण किट वितरण व स्वास्थ्य जांच कार्यक्र आयोजित किया गया। इस प्रकार की गतिविधियों क व्यापक असर देखने को मिला।

योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम– स्वास्थ्य विकार की समस्या लगातार विकराल रूप धारण करती जा रही है। जिसका प्रमुख कारण हमारा खानपान, अनियमित दिनचर्या व प्रदूषण है। हम पूर्णरूप से एलौपैथी पर निर्भर होते जा रहें है। जबकि वैदिक काल से ही योग का व्यापक प्रभाव रहा है। पौराणिक ग्रन्थों में भी योगा और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व को विस्तृत वर्णन है। आज की भागदौड़ की जिन्दगी मे प्राकृतिक चिकित्सा का प्रयोग कम होता जा रहा है। जिसकी जगह पर एलोपैथ दवाओं पर लोगों का विश्वास जमता जा रहा है। लोगों में योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता लाने के लिए जनपद रायबरेली के मुख्यालय के पास के 5 गांव उमरा, राही, डिघिया, सन्दी नागिन व प्रेमराजपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान योग गुरू द्वारा प्रत्येक गांव में योग कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें एक मैदान प्रातः ग्रामीणों को योग कराकर प्रशिक्षण दिया गया। योग शिविर में लोगों को बताया गया कि योग हमारे शरीर को मजबूत, लचीला, त्वचा में चमक, शान्तिपूर्ण मन एवं अच्छा स्वास्थ्य देता है। हमयोग शारीरिक, मानसिक रूप से तथा श्वसन में लाभ देता है। योग हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसके पश्चात गांव के प्राथमिक विद्यालयों में प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में बताकर जागरूक किया गया और बताया गया कि प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता से हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। प्राकृतिक चिकित्सा के अन्तर्गत एक्यूप्रेशर एवं हमारी दैनिक उपभोग की वस्तुओं से ही रोग को ठीक किया जा सकता है। इस प्रकार के उपचार से हमारे शरीर को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचता है और शरीर के साथ ही साथ मन भी स्वस्थ होता है जिससे हम अपने मे एक उर्जा महसूस करते है।

fo'ok l lLFkku% शिक्षा d {k= e

शिक्षा संवर्धन कार्यक्रम – किसी भी व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। किन्तु आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को माध्यमिक स्तर तक ही पठाया जाता है जो कि न के बराबर होता है हमें बच्चों को उच्च शिक्षा देना चाहिए जिससे वह आगे चलकर अपना परिवार बेहतर तरीके से चला सके। आधुनिक समाज में चाहे स्त्री हो या पुरूष समानरूप से उच्च शिक्षित होना चाहिए। एक शिक्षित माता पिता ही अपने परिवार को समुचित रूप से मार्गदर्शन दे सकतें है। ग्रामीण परिवेश आज भी लोगों में लडकियों को उच्च शिक्षा दिलाना अच्छा नही समझा जाता। इस कार्यक्रम के संचालन हेतु जनपद रायबरेली के 4 गांवों चयन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठकों का आयोजन किया गया। गांव में बच्चों के माध्यम से रैली निकाली गयी जिसमें गाव के निवासियों ने भी अपनी सहभागिता दी। विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विजेता छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। गांव के लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बैठकों का आयोजन किया गया। प्रत्येक चयनित गांव में वीडियो वैन के माध्यम से प्रेरणादायक फिल्म दिखाकर लोगों को जागरूक किया गया।

कम्प्यूटर शिक्षा एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम – दैनिक जीवन में कम्प्यूटर का प्रभाव इतना व्यापक है कि हम जो भी चाहे इसके माध्यम देख सकतें है, क्रय विक्रय कर सकतें है। आधुनिक युग में बिना कम्प्यूटर के प्रयोग के जीवन की परिकल्पना भी नही की जा सकती है। बैंकों की पूरी निर्भरता कम्प्यूटर पर ही हो गयी है। वर्तमान जिस प्रकार से कम्प्यूटर का प्रयोग बढा है ठीक उसी गति से इस क्षेत्र ठगी एवं जालसाजी भी अपने पैर पसार रही है। लोग जागरूकता का अभाव होने के कारण ठगी का शिकार हो रहें है। इसी समस्या के निदान हेतु संस्थान द्वारा इस वर्ष कम्प्यूटर शिक्षा के साथ ही साथ साइबर सुरक्षा कार्यक्रम के आयोजन का निर्णय लिया गया। जिसके प्रथम चरण में क्षेत्र से प्रशिक्षणार्थियों के आवेदन लिए गये तथा योग्य एवं जागरूक लाभार्थियों का चयन किया गया। कम्प्यूटर शिक्षा हेतु 30 व साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण हेतु कुल 30 लाभार्थियों का चयन किया गया। कम्प्यूटर शिक्षा प्रशिक्षण जो 1 माह की अवधि का रहा उसके अन्तर्गत लाभार्थियों को कम्प्यूटर के दैनिक प्रयोग व आफिस कार्य का प्रशिक्षण दिया गया। साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के अर्न्तगत लाभार्थियों को साइबर हमलों से बचने तथा उनकी पहचान आदि सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षोपरांत प्रशिक्षु जागरूक हुए इनमें लगभग 18 प्रशिक्षु जनपद के साथ ही साथ अन्य शहरों में अच्छी आय सृजित कर रहे है।

fo'ok l lLFkku कृषि d {k= e

केला एवं कृषि जागरूकता कार्यक्रम – उत्तर प्रदेश के किसान ज्यादातर पारम्परिक कृषि को ज्यादा महत्व देतें हैं। नकदी फसलों की कृषि व कृषि के आधुनिक तौर तरीकों से अन्जान है। किसानों की जागरूकता लाने के उद्देश्य से जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतावं के 10 गांवों का चयन परियोजना मे किया गया जिसमें अधिकतर किसान मिर्चा, धनिया व केले की खेती करते है और पास की बाजार में बेचते है। किसान लगातार एक जैसी ही खेती कर रहे है जिसमें वह अधिक लाभ नही प्राप्त कर पाते है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा चयनित गांवों में कृषक बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डा0 कन्नौजिया ने किसानों को बताया कि खेती का आधुनिक तरीका अपनाए तो वह दुगुनी उपज के साथ ही साथ दुगुनी आय भी प्राप्त कर सकते है। किसानों ने अपनी समझ बढ़ायी जिससे फसल में लाभ प्राप्त हुआ। कुछ किसान कई वर्ष से लगातार केले की खेती कर रहें है अधिक लाभ नही प्राप्त कर पा रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि वैज्ञानिक तरीके से की जाने वाली केले की फसल लाभ देने वाली होती है।आज के मशीनरी युग में सभी लोग इनके प्रत्यक्ष लाभ की गणना करतें है किन्तु परोक्ष रूप से उससे होने वाले नुकसान के बारे में अनभिज्ञ हैं। बैठक में प्रधान, ऑगनबाडी, आशाबह, शिक्षक एवं संस्थान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुर्वेदिक औषधि एवं मसाले उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम – कोविड काल में जब लोगों को वैश्विक आपदा का सामना करना पडा तों इस दशा में लोगों की निर्भरता आयुर्वोदिक दवाओं पर अधिक हो गयी। लोगों ने आयुर्वेदिक अषधियों का ज्यादा प्रयोग करना शुरू कर दिया है। किन्तु बाजार मे मांग की अपेक्षा कम मात्रा में सस्ती आयुर्वेदिक दवाए उपलब्ध रहती है। ठीक इसी प्रकार खाद्य मसालों के उत्पादन एवं विपणन की बात करें तो बाजार में किसी भी ब्राण्ड के मसाले उपलब्ध तो होतें है किन्तु बहुत अधिक मूल्य होने के कारण आम जन मानस को सुलभ नही हो पाते। लोगों को इस क्षेत्र में आजीविका से जोडकर तथा आय सृजित करने के उद्देश्य से संस्थान ने जनपद मुख्यालय पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें आयुर्वेदिक औषधि प्रशिक्षण जो कि 15 दिवसीय रखा गया जिसमें कुल 40 लाभार्थी पंजीकृत हुए। दूसरा 15 दिवसीय प्रशिक्षण जो कि खाद्य मसाले के उत्पादन एवं विपणन पर आधारित रहा जिसमें कुल 41 लाभार्थी पंजीकृत हुए। इन दोनो प्रशिक्षणों में मास्टर ट्रेनर के माध्यम से सभी लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार की बीमारियों के इलाज हेतु आयुर्वेदिक दवाएं तैयारी करके दिखाई गयी तत्पश्चात लाभार्थियों से भी दवाओं का निर्माण कराकर प्रशिक्षण दिया गया। इसी क्रम दूसरे बैच के लाभार्थियों को मसाले उत्पादन की विधियां सिखाई गयी तथा बाजार भ्रमण कराकर विपणन की जानकारी भी दी गयी।

काष्ठ शिल्प एवं सजावटी सामान विकास परियोजना – जनपद में भारत सरकार के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (एम0एस0एम0ई0) मंत्रालय द्वारा स्फूर्ति परियोजना सचालित की जा रही है। इस वर्ष परियोजना में चयनित शिल्पकारों डिजाइन एण्ड प्रोडक्ट डेवेलपमेण्ट, डिजिटल मार्केटिंग व ई कामर्स, इंस्टीट्यूशनल डेवेलपमेण्ट, मार्केट, सेमीनार व वर्कशाप प्रशिक्षण एवं कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। परियोजना के अन्तर्गत कच्चा माल बैंक की स्थापना भी इसी वर्ष की गयी जिसका उद्देश्य कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को प्रशिक्षण एवं उत्पादन हेतु कच्चा माल की आपूर्ति सुनिश्चित कराना है। परियोजना के प्रथम वर्ष में काष्ठ शिल्प एवं सजावटी सामान बनाने का प्रशिक्षण देने व उनको रोजगार से जोडने हेतु जनपद रायबरेली के 11 गांवों के 659 शिल्पकारों/कारीगरों का चयन किया गया। परियोजना का उद्देश्य पारंपरिक ढ़ग से काम कर रहे उद्योगो में लगे कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ –साथ कारीगरों को बेसिक उपकरणों एवं सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराना है। लकड़ी कारीगरों को आधुनिक मशीनों के द्वारा कार्य करने हेतु प्रशिक्षण देना है जिससे शिल्पकार कम समय में आधुनिक एवं आकर्षक सजावटी सामान बनाकर अधिक से अधिक आर्थिक लाभ अर्जित कर सके।

<u>बकरी बैंक एवं कृत्रिम गर्भाधान परियोजना</u>– यह परियोजना नाबार्ड के सहयोग से जनपद के ब्लॉक सतांव व अमावां के 10–10 गांवों में संचालित की जा रही है। परियोजना के द्वितीय वर्ष में बकरी पालकों की क्षमतावृद्धि, नस्ल सुधार, खानपान व स्वास्थ्य, पशुसखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गये। वर्ष के दौरान बकरी पालकों की आजीविका वृद्धि एवं नस्ल सुधार के उद्देश्य से अच्छी नस्ल की बकरियां की खरीद करके वितरित किया गया। परियोजना के अर्न्तगत ग्रामीण व अति पिछडे क्षेत्र के बकरी पालकों को बकरी पालन परियोजना से अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए उन्नत नस्ल की बकरी को पालने पर जोर दिया गया। बकरी पालकों को बाजार का भ्रमण करवाया गया। बकरियों के नस्ल सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत देसी बकरों का बधियाकरण किया गया व बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान किया गया। समय समय पर सभी गावों में टीकाकरण व मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु पशुसखियों के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करायी जा रही है।

खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विपणन – खाद्य क्षेत्र का बाजार अत्यन्त व्यापक है इस क्षेत्र में छोटे छोटे व्यवसाय के लिए अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। इस क्षेत्र में घर से भी कार्य करके आजीविका अर्जित की जा सकती है। आजकल बाजार **में** विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पादों का नवाचार हो रहा है तथा उत्पाद में वृद्वि हेतु नई नई तकनीकि का प्रयोग हो रहा है। बेरोजगार युवक युवतियां इस प्रकार के लघु एवं कुटीर उद्योग लगाकर अच्छी आय का सृजन कर सकतें है। लोगों की रूचि को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य प्रसंस्करण का प्रशिक्षण संस्था द्वारा जनपद मुख्यालय पर आयोजित किया गया। जिसमें वर्ष के दौरान 4 बैच चलाये गये तथा कुल 116 लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण नूडल्स के उत्पादन, पैकेजिंग व विपणन पर आधारित रहा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त सभी लाभार्थियों को शहर की लोकल मार्केट का भ्रमण भी कराया गया जिससे वह भविष्य में अपने उत्पाद का विक्रय भी कर सके।

मोबाइल एवं घरेलू उपकरण मरम्मत प्रशिक्षण – वर्तमान युग मीडिया व मशीनों का युग है मशीनों पर लोगों की निर्भरता निरन्तर बढती ही जा रही है। जब इस तरह के उपकरण बाजार में उपलब्ध होतें है तो उनके प्रयोग करने पर खराब भी होतें है वर्तमान में मोबाइल व घरेलू उपकरणों की मरम्मत का बहुत बडा बाजार उपलब्ध है। इस क्षेत्र में कुशल कारीगरों की लगातार कमी बनी हुई है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान ने पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जनपद मुख्यालय एक प्रशिक्षण कक्ष की व्यवस्था करके 35–35 लाभार्थियों को 2 बैच बनाकर प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण में सभी लाभार्थियों को प्रशिक्षण हेतु सामग्री उपलब्ध करायी गयी। एक प्रशिक्षक की नियुक्ति करके एक माह का प्रशिक्षण पूर्ण कराया गया। इसके पश्चात इन सभी लाभार्थियों को अपना स्वयं का रोजगार शुरू कराने सहयोग भी किया गया। रोजगार से जुडकर लगभग सभी लाभार्थी अच्छी आजीविका का सृजन कर रहें है।

fo'okl l|LFkku% lkekftd tkx:drk d{k= e

सांस्कृतिक विकास कार्यक्रम – आज मल्टी मीडिया के युग में मनोरंजन पारम्परिक विधाएं विलुप्त होती जा रही है तथां पाश्चात्य सभ्यता हमारे नित्य प्रतिदिन के जीवन में लगातार अपना स्थान बना रही है। हमारा खानपान, भाषा शैली, रहन सहन के स्तर का अधिकांश भाग पाश्चात्य शैली से प्रभावित हो चुका है। लोगों को अपनी पारम्परियक विधाओं से परिचित कराने तथा लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आम जनमानस में इन्ही तथ्यों से परिचय कराने तथा बच्चों में सांस्कृतिक विकास हेतु जनपद मुख्यालय क्षेत्र के अन्तर्गत चयनित अखिलेशपुरम व मधुपुरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गांव में टेंट व कुर्सियों की व्यवस्था कराकर टीमों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रात में किया गया जिससे क्षेत्र के सभी लोग उपस्थित रह सकें। कार्यक्रम के समापन के पश्चात विजेता टीम को पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम के आयोजन से क्षेत्र के लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है तथा लोगों नें संस्थान के इस कार्यक्रम की सराहना की।

उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम– उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए विकास खण्ड राही के 10 गांवों मुंशीगंज, मटिहा, सैदनपुर, महानन्दपुर, गदियानी, भटपुरवा, खागीपुर, मनेहरू, सूरजकुण्डा व खनुआ का चयन कार्यक्रम हेतु किया गया। उपभोक्ताओं के अधिकारों के संरक्षण हेतु उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अर्न्तगत प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक गांव में एव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपभोक्ताओं के अधिकार के बारे में विस्तार से बताया गया। आजकल बाजार में विभिन्न तरीकों से उपभोक्ताओं से ठगी की जाती है। जिसके बारे में विस्तार से बताकर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सभी लोग एकत्र होकर आपस में विचार विमर्श किए और अपने विचार प्रस्तुत किए। विषय विशेषज्ञ श्री प्रशान्त सिंह ने बताया कि किसी भी वस्तु को प्रयोग करने पर गलत पाए जाने का संदेह हो या किसी दुकानदार द्वारा गलत व्यवहार या कीमत में संतुष्ट न होने पर जिले में उपभोक्ता फोरम पर शिकायत की जा सकती है। उपभोक्ता फोरम के माध्यम से उत्पादक, विक्रेता को नोटिस देकर फोरम कार्यालय में बुलाकर प्रश्नोत्तर किए जा सकते हैं व इस अधिनियम में जुर्माना या सजा या दोनो का प्रावधान किया गया है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम – सड़क सुरक्षा आम नागरिक के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। अधिकतर देखा गया है कि सड़क पर अधिकतर दुर्घटना यातायात के नियमों का पालन न करने पर होती है। आज के समय में वाहनो का प्रयोग बहुतायत होने लगा है। सडकों पर वाहनों की बहुत भीड होती है। इसी क्रम में वाहन दुर्घटनाएं आम हो गयी है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा लोधवामऊ स्थित अनूप ढाबा पर ट्रक ड्राइवर हेतु एक विशेष कैम्प आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में ड्राइवर व मालिकों के साथ बैठक करके सडक सुरक्षा से सम्बन्धित नियमों एवं प्रतीकों पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम के अगले चरण में जनपद के के खनुआ, मनेहरू, विनोहरा, नकफुलहा आदि गावों लोगों को व प्राथमिक विद्यालयों में प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया गया तथा इन्ही गांवों में नुक्कड नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। आम जनता में खास तौर से नए युवा वर्ग के लड़के एवं लड़कियों में जागरूकता लाने के लिए स्कूल एवं कालेज के बच्चों को सड़क सूरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी दी गयी।

आगामी वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम– संचालित कार्यक्रमों के साथ–साथ संस्थान आगामी वित्तीय वर्ष में अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु प्रयासरत है–

- कौशल विकास कार्यक्रम।
- आर्टीफीसियल इन्टेलीजेन्स व साइबर सुरक्षा कार्यक्रम।
- स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रम ।
- कृषि आधारित आजीविका संवर्धन कार्यक्रम।
- खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विपणन।
- महिला एवं बच्चों का अधिकार जागरूकता कार्यक्रम।
- माडल आंगनवाडी विकास कार्यक्रम।

संस्थान विगत 25 वर्षों से अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है। हम आपके वांछित सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा रखतें है।